मार्शल की परिभाषा की आलोचनाएँ :—

मार्शल की परिभाषा को एक लंबे समय तक प्रशंसा मिलती रही। उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नया आयाम दिया तथा इसे संकुचित क्षेत्र से छुटकारा दिलवाया। लेकिन उनकी परिभाषा आलोचना से बच नहीं सकी। 1932 में प्रो० रॉबिन्स की पुस्तक An essay on the nature and significance of economic science प्रकाशित हुई। इन्होंने मार्शल की परिभाषा पर तीखा प्रहार किया तथा अनेक आलोचनाएँ की।

मार्शल की परिभाषा की आलोचनाएँ निम्नांकित है—

1. मानवीय क्रियाओं को साधारण तथा असाधारण में बाँटना अनुचित— मार्शल की परिभाषा में जीवन के साधारण व्यवसाय-संबंधी कार्य की बात की गई है जो अनुचित है। रॉबिन्स के अनुसार अर्थशास्त्र में मानवीय आवश्यकताओं की संतुष्टि से संबंधित

7.1.2020

सभी क्रियाओं का अध्ययन होना चाहिए, चाहे वे जीवन के साधारण व्यवसाय से संबंधित हों या असाधारण व्यवसाय से।

2. समाज में रहनेवाले व्यक्तियों के साथ - साथ समाज से बाहर रहनेवाले व्यक्तियों का भी अध्ययन :—

रॉबिन्स के अनुसार अर्थशास्त्र को केवल एक सामाजिक विज्ञान मानना सही नहीं है, इसमें समाज से बाहर रहनेवाले व्यक्तियों का भी अध्ययन होता है। अतः रॉबिन्स अर्थशास्त्र को मानव से संबंध विज्ञान मानते हैं। प्रो० रॉबिन्स ने लिखा है कि अर्थशास्त्र के नियम एवं सिद्धांत समाज में रहनेवाले तथा समाज से बाहर रहनेवाले दोनों ही प्रकार के मनुष्यों के लिए समान रूप से लागू होते हैं। उदाहरणस्वरूप यह कहा गया है कि सम - सीमांत उपयोगिता नियम तथा उपयोगिता ह्रास नियम ऐसे नियम हैं जो एक समाज में रहनेवाले व्यक्ति के साथ जिस तरह से लागू होते हैं ठीक उसी तरह से वे एक गुफा में रहनेवाले संत या निर्जन द्वीप में रहनेवाले रॉबिन्सन क्रूसो जैसे एकांतवासी व्यक्तियों के संबंध में भी लागू होते हैं।

3. क्रियाओं का आर्थिक एवं गैर - आर्थिक में वर्गीकरण अनुचित :—

मार्शल के अनुसार अर्थशास्त्र में हम आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन करते हैं, लेकिन ऐसा मानना उचित नहीं। हम इस विषय में सिर्फ धनोपार्जन से संबंधित क्रियाओं का ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि दूसरी गैर - आर्थिक क्रियाएँ भी इसके अध्ययन के अंतर्गत आती हैं। अर्थशास्त्र में मुख्य उद्देश्य सीमित साधनों का अनुकूलतम प्रयोग करते हुए उत्पादन को अधिकतम बनाना तथा व्यय को निम्नतम करना होता है।

4. परिभाषा विश्लेषणात्मक न होकर वर्णनात्मक है :—

मार्शल की परिभाषा वर्गकारिणी है, क्योंकि इसमें अनेक विभाजन किए गए हैं। उनके अनुसार मनुष्य के (i) साधारण कार्यों, (ii) समाज में रहनेवाले व्यक्तियों तथा (iii) मनुष्य के भौतिक कल्याण - संबंधी कार्यों का अध्ययन किया जाता है। परंतु प्रो० रॉबिन्स के अनुसार इस तरह का वर्गीकरण अवैज्ञानिक तथा तर्कहीन है। हम अर्थशास्त्र में मानवीय क्रियाओं के उस पहलू पर ध्यान

Scanned with CamScanner

केन्द्रित करते हैं जो भी दुर्लभता से प्रभावित होते हैं।

5. अर्थशास्त्र उद्देश्यों के बीच तटस्थ होता है:-

मार्शल की परिभाषा में नीतिशास्त्र का प्रभाव अधिक दीखता है, क्योंकि उसमें मानव-कल्याण एवं उसमें अभिवृद्धि पर बल दिया गया है। लेकिन रॉबिन्स के अनुसार अर्थशास्त्र उद्देश्यों के बीच तटस्थ होता है। इसमें अच्छा-बुरा क्या होना चाहिए, का अध्ययन नहीं किया जाता, बल्कि तथ्य जिस रूप में है उसी रूप में उसका विश्लेषण एवं उसकी व्याख्या की जाती है। यह नीतिशास्त्र नहीं, बल्कि पूर्णतः एक यथार्थवादी विज्ञान है, अतः उद्देश्यों के बीच तटस्थ रहता है।

6. अर्थशास्त्र का कल्याण से संबंध स्थापित करना अनुचित:-

प्रो० मार्शल की परिभाषा की मुख्य धुरी भौतिक कल्याण है लेकिन रॉबिन्स ने कहा है, "अर्थशास्त्र का संबंध चाहे किसी से भी हो, इतना निश्चित है कि इसका संबंध भौतिक कल्याण के कारणों से नहीं है।" अर्थशास्त्र में भौतिक कल्याण के अतिरिक्त अभौतिक कल्याण-संबंधी कार्य का भी अध्ययन किया जाता है। इसके अतिरिक्त भौतिक कल्याण का विचार मनोवैज्ञानिक है, इसकी माप करना कठिन है।

इन आलोचनाओं के बावजूद इतना तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि मार्शल ने अपनी परिभाषा में सुधार किया। ऐडम स्मिथ की परिभाषा में जो कमियां थी उन्हें समाप्त करते हुए उन्होंने अर्थशास्त्र को निन्दा से मुक्त कराया तथा इसे एक सम्मानजनक सामाजिक विज्ञान का दर्जा दिलवाया।

Scanned with CamScanner